

NCERT SOLUTIONS

CLASS - 12th



aglasem.com

Class : 12th

Subject : Political science

Chapter : 4

Chapter Name : सत्ता के वैकल्पिक केन्द्र

Q1 नीचे दिए गए चार विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए-

(क) आसियान शैली-

(अ) आसियान सदस्यों की जीवन शैली को दर्शाता है

(ब) आसियान सदस्यों के बीच कामकाज का एक रूप जो अनौपचारिक और सहयोगपूर्ण है।

(स) आसियान सदस्यों की रक्षा नीति है।

(द) वह सड़क जो आसियान के सभी सदस्यों को जोड़ती है।

(ख) निम्नलिखित में से किसने खुले द्वार की नीति अपनाई?

(अ) चीन

(ब) यूरोपीय संघ

(स) जापान

(द) अमरीका

Answer. (क) - (ब) आसियान सदस्यों के बीच कामकाज का एक रूप जो अनौपचारिक और सहयोगपूर्ण है।

(ख) - (अ) चीन

Page : 64 , Block Name : प्रश्नावली

Q2 क्षेत्रीय संगठनों की स्थापना के उद्देश्य क्या हैं?

Answer. इन क्षेत्रीय संगठनों के पीछे मुख्य उद्देश्य राजनीतिक और आर्थिक शक्ति के नए केंद्र बनाना है जो अमेरिका के प्रभुत्व को सीमित कर सकते हैं। कई संगठन और क्षेत्रीय शक्तियां, जो कि यूरोपीय संघ हैं और एशिया में विशेष रूप से एसोसिएशन ऑफ साउथ ईस्ट एशियन नेशंस (आसियान) का उदय हुआ। ये संगठन विश्व राजनीति में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये संगठन अंतर्राष्ट्रीय शांति और सहयोग के लिए भी काम करते हैं जो इस समय दुनिया के लिए सबसे आवश्यक है। महाशक्तियों के कई युद्धों और वर्चस्व ने छोटे राष्ट्रों को पूरी तरह से नष्ट कर दिया। विश्व राजनीति में अब मानवतावादी अधिकार सबसे बड़ा मुद्दा है।

Page : 64 , Block Name : प्रश्नावली

Q3 भौगोलिक निकटता क्षेत्रीय संगठनों के गठन को कैसे प्रभावित करती है?

Answer. क्षेत्रीय संगठनों के निर्माण में भौगोलिक विशेषताओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। राष्ट्र जो एक दूसरे के करीब हैं वे एक संगठन बना सकते हैं ताकि वे उन पर बेहतर काम कर सकें। हम यूरोपीय संघ और आसियान के उदाहरण देख सकते हैं जो मूल रूप से राष्ट्र हैं जो सीमाओं में एक दूसरे के करीब हैं। यह दर्शाता है कि इन राष्ट्रों की प्रकृति एक दूसरे के समान है जो क्षेत्र में करीब हैं। इसलिए इन संगठनों में राष्ट्रों की भौगोलिक स्थिति एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यूरोपीय संघ में आर्थिक, राजनीतिक और राजनयिक और सैन्य प्रभाव है। यह दुनिया की जीडीपी के साथ सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी है।

Page : 64 , Block Name : प्रश्नावली

Q4 आसियान विजन 2020 के घटक क्या हैं?

Answer. आसियान बहुत ही महत्वपूर्ण क्षेत्र संगठन में तेजी से बढ़ रहा है। आसियान की स्थापना 1967 में इस क्षेत्र के पांच देशों- इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर और थाईलैंड ने की थी। इसके विजन 2020 ने अंतर्राष्ट्रीय समुदाय में आसियान के लिए एक बाहरी भूमिका को परिभाषित किया है। यह क्षेत्र में संघर्षों पर बातचीत की मौजूदा आसियान नीति को बनाता है। आसियान कंबोडियन संघर्ष, पूर्वी तिमोर संकट को भी समाप्त करता है और सालाना पूर्वी एशियाई सहयोग को पूरा करता है। हम कह सकते हैं कि आसियान एक विकासशील और बहुत ही सफल संगठन है।

Page : 64 , Block Name : प्रश्नावली

Q5 आसियान समुदाय के मुख्य स्तंभों और उनके उद्देश्यों को बताइए।

Answer. एसोसिएशन फॉर साउथ ईस्ट एशियन नेशंस (आसियान) की स्थापना 1967 में पांच देशों द्वारा की गई थी। आसियान का मुख्य उद्देश्य सामाजिक प्रगति और सांस्कृतिक विकास के माध्यम से आर्थिक विकास को आगे बढ़ना है। यह राष्ट्रों के बीच शांति और स्थिरता के लिए भी काम करता है। यह राष्ट्रों के बीच शांति और सहयोग का संबंध चाहता था ताकि यह इन राष्ट्रों में समृद्धि ला सके जो यूरोपीय राष्ट्रों की तरह बड़ी अर्थव्यवस्थाएं नहीं हैं। इन वर्षों में, 5 अन्य राष्ट्र भी आसियान में शामिल हुए, जिन्होंने इनकी ताकत को 10 तक बढ़ाया। आसियान समुदाय में तीन स्तंभ शामिल हैं, अर्थात्, आसियान सुरक्षा समुदाय, आसियान आर्थिक समुदाय और आसियान सामाजिक सांस्कृतिक समुदाय।

Page : 64 , Block Name : प्रश्नावली

Q6 वर्तमान चीनी अर्थव्यवस्था किन तरीकों से अपनी नियंत्रित अर्थव्यवस्था से अलग है?

Answer. आर्थिक रूप से पिछड़े कम्युनिस्ट चीन पूंजीवादी दुनिया के साथ अपने संबंधों को गंभीर बनाना चाहते हैं। मॉडल, कृषि से संचित एक राज्य के स्वामित्व वाले भारी उद्योग क्षेत्र का निर्माण करना था। चीन ने घरेलू सामानों से आयात का विकल्प तय किया। यह मॉडल बड़े पैमाने पर औद्योगिक अर्थव्यवस्था की नींव स्थापित करने के लिए चीनी संसाधनों के उपयोग का नेतृत्व करता है। कुछ वर्षों के भीतर चीन इस प्रणाली द्वारा कई विकासशील देशों से आगे निकल गया। चीन ने अपने नागरिकों को शिक्षित करने और उनके लिए बेहतर स्वास्थ्य सुनिश्चित करने पर भी ध्यान केंद्रित किया। कृषि ने उद्योग के लिए एक बड़ा अधिशेष भी उत्पन्न किया।

Page : 64 , Block Name : प्रश्नावली

Q7 यूरोपीय देशों ने अपनी द्वितीय विश्व युद्ध के बाद की समस्या को कैसे हल किया? यूरोपीय संघ के गठन के लिए किए गए प्रयासों को संक्षेप में रेखांकित करें।

Answer. दूसरे विश्व युद्ध के कारण यूरोपीय राष्ट्रों में भारी विनाश हुआ। इन राष्ट्रों के बीच वैचारिक और समाजशास्त्रीय अंतर थे। इन कई मतभेदों को एक संगठन द्वारा हल करने की आवश्यकता थी जिसके कारण यूरोपीय संघ का गठन हुआ। सोवियत संघ के पतन ने यूरोप को तेजी से पटरी पर ला दिया और परिणामस्वरूप 1992 में यूरोपीय संघ की स्थापना हुई। इस प्रकार सामान्य विदेशी और सुरक्षा नीति,

न्याय और घर के मामलों पर सहयोग और एकल मुद्रा के निर्माण के लिए एक नीव रखी गई थी। यूरोपीय संघ उन राष्ट्रों की रूप था, जिनकी आम संस्कृति और पहचान है।

Page : 64 , Block Name : प्रश्नावली

Q8 क्या चीज़ें यूरोपीय संघ को एक अत्यधिक प्रभावशाली क्षेत्रीय संगठन बनाती हैं?

Answer. यूरोपीय संघ उन महत्वपूर्ण देशों का एक समूह है जिनके पास सामान्य मुद्रा और विदेशी नीतियां हैं। यूरोपीय संघ का पूरी दुनिया में आर्थिक, कूटनीतिक, सैन्य और राजनीतिक प्रभाव है। यूरोपीय संघ सबसे बड़ा विश्व जीडीपी है। विश्व व्यापार में इसका हिस्सा हमसे तीन गुना बड़ा है, जो कि एकजुट देशों की तुलना में अधिक महत्वपूर्ण और प्रभावशाली है। इसकी आर्थिक शक्ति अपने निकटतम पड़ोसियों के साथ-साथ एशिया और अफ्रीका को भी प्रभावित करती है। इसने कई स्तरों पर कई बार अमेरिका के वर्चस्व को चुनौती दी थी। इसका मुख्य उद्देश्य राष्ट्रों के बीच शांति और सहयोग को बढ़ावा देना है। इसने वैश्विक स्तर पर कई मुद्दों को हल करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

Page : 64 , Block Name : प्रश्नावली

Q9 चीन और भारत की उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं में एकध्रुवीय विश्व को चुनौती देने की काफी संभावनाएं हैं। क्या आप कथन से सहमत हैं?

Answer. हम आधुनिक दुनिया में चीन के उदय को स्पष्ट रूप से देख सकते हैं। नियमित रूप से और विश्व स्तर पर, चीन के साथ पुनर्मिलन के लिए आर्थिक शक्ति बन गई है। चीन की अर्थव्यवस्था का एकीकरण और विश्व राजनीति में चीन का वर्चस्व काफी स्पष्ट है। विश्व राजनीति में चीन के उदय का डर भी दिखाई दे रहा है। लैटिन अमेरिका और अफ्रीका में भारी निवेश ने इसे वैश्विक खिलाड़ी बना दिया। भारत की उभरती शक्ति विभिन्न स्तरों के माध्यम से काफी दिखाई देती है। 1998 में भारत के परमाणु परीक्षण, कभी-कभी चीन से खतरे के आधार पर उचित थे, इससे अधिक बातचीत बंद नहीं हुई। भारत के बढ़ते परिवहन व्यापार और व्यापार संबंधों ने अन्य देशों के लिए एक वैश्विक चिंता का विषय बना दिया। भारत और चीन की बढ़ती वैश्विक शक्ति में कई स्तरों पर एकध्रुवीय दुनिया को चुनौती देने की स्पष्ट क्षमता है।

Page : 64 , Block Name : प्रश्नावली